
HINDI

Paper 2

(Two Hours)

Answers to this paper must be written on the paper provided separately.

You will NOT be allowed to write during the first 15 minutes.

This time is to be spent in reading the question paper.

The time given at the head of this paper is the time allowed for writing the answers.

Answer five questions from three books only.

You must answer at least one question from each of the three books you have chosen.

किन्हीं तीन पुस्तकों में से केवल पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

चुनी हुई तीन पुस्तकों में से एक-एक प्रश्न का उत्तर देना अनिवार्य है।

The intended marks for questions or parts of questions are given in brackets [].

कथा-कुञ्ज

Question 1

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

कुँवर साहब का उत्साह बढ़ा। समझे कि पंडित के चले जाने से इन सबके होश ठिकाने हुए हैं। अब किसका सहारा लेंगे। उसी खुर्राट ने इन सबको बहका दिया था। कड़क कर बोले—“वे तुम्हारे सहायक पंडित कहाँ गए? वे आ जाते तो जरा उनकी खबर ली जाती।”

- (i) कुँवर साहब कौन हैं? उनके पास कौन आया है और क्यों? [4]
- (ii) कुँवर साहब का उत्साह क्यों बढ़ा? इससे पहले उनकी क्या स्थिति थी? [4]
- (iii) ‘खुर्राट’ शब्द का प्रयोग किसके लिये किया गया है? वक्ता उस व्यक्ति को खुर्राट क्यों कहता है? समझाकर उत्तर दीजिये। [4]
- (iv) श्रोता इस बात का क्या उत्तर देता है? अपने शब्दों में लिखिए। [4]
-
-

This paper consists of 6 printed pages.

Question 2

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

वह घर से बाहर दीवार के साथ खड़े लोगों की ओर सतृष्ण दृष्टि से देख रहा था । एकाएक भोलानाथ ने उसके कन्धों पर हाथ रखकर कहा - 'सुखू !'

सूखे धानों में पानी पड़ गया । सुखदयाल ने पुलकित होकर उत्तर दिया - 'चाचा !'

- (i) सुखदयाल कौन है ? वह घर से बाहर खड़ा होकर सतृष्ण दृष्टि से क्या देख रहा है ? [4]
- (ii) भोलानाथ कौन है ? सुखदयाल से उसका क्या सम्बन्ध है ? समझाते हुए लिखिए । [4]
- (iii) सुखदयाल उसे देखकर ही इतना खुश क्यों हो गया था ? कारण सहित उत्तर दीजिए । [4]
- (iv) भोलानाथ के इस प्रेम को देखकर किसे चिढ़ होती थी ? उनकी यह चिढ़ किस प्रकार प्रकट होती थी ? [4]

Question 3

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

जब घीसा नहा कर गीला अँगोछा ही लपेटे और आधा कुर्ता पहने अपराधी के समान आ खड़ा हुआ, तब आँखें ही नहीं, मेरा रोम-रोम गीला हो गया । उस समय समझ में आया कि द्रोणाचार्य ने अपने भील शिष्य से अँगूठा कैसे कटवा लिया था ।

- (i) घीसा कौन है ? छात्र के रूप में उसका परिचय दीजिए । [4]
- (ii) लेखिका उसे अपनी विचित्र पाठशाला का विचित्र मन्त्री क्यों कहती है ? समझाकर लिखिए । [4]
- (iii) घीसा इस स्थिति में क्यों आया है ? कारण सहित उत्तर दीजिए । [4]
- (iv) उपर्युक्त अवतरण में किस पौराणिक कथा की ओर संकेत किया गया है ? उस कथा को संक्षेप में लिखिए । [4]

गद्याञ्जलि

Question 4

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

इसी सोच-विचार में पंद्रह मिनट होने को आए । देर हो रही थी, और उधर दिन का बुढ़ापा बढ़ता जाता था ।

- (i) कौन किस सोच-विचार में डूबा था ? [4]
- (ii) यह सोच-विचार की स्थिति कब समाप्त हुई ? उस समय उनके मन में क्या विश्वास था ? [4]
- (iii) इस समय लेखक के साथ कौन था ? वह क्या कर रहा था ? अपना उद्देश्य पूर्ण करने में उसने लेखक को क्या सहायता प्रदान की ? [4]
- (iv) प्रस्तुत पाठ के लेखक का नाम लिखकर बताइए कि यदि यही परिस्थिति आपके सम्मुख होती तो आप क्या करते ? [4]

Question 5

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

कहते हैं, किसी गाढ़े समय में जनक ने हल की मुठिया थामी थी, तब धरती ने सोना उगला था । आज सोने के घट की देवी, धरती की पुत्री सीता के जन्म की पुनः आवश्यकता है ।

- (i) जनक कौन थे ? उन्होंने हल की मुठिया क्यों थामी थी ? [4]
- (ii) लेखक ने सीता के जन्म की पुनः आवश्यकता क्यों बताई है ? [4]
- (iii) हम शहरी लोग किसान के खेत में क्यों नहीं जाना चाहते ? [4]
- (iv) भारतीय किसान की दशा सुधारने के लिए उसके जीवन में कौन से परिवर्तन आवश्यक हैं ? [4]

Question 6

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

इसलिए बाहर की सतह को छोड़कर जीवन के अन्दर की तहों में घुस जाओ, तब नये रंग खुलेंगे । नफरत और द्वैत दृष्टि छोड़ो, रोना छूट जाएगा ।

- (i) 'जीवन के अन्दर की तहों में घुसने' का क्या अभिप्राय है ? [4]
- (ii) 'द्वैत दृष्टि' से आप क्या समझते हैं ? इससे क्या हानि होती है, और इसे कैसे छोड़ा जा सकता है ? [4]
- (iii) वीरता का रंग चिर-स्थायी कब हो सकता है ? [4]
- (iv) सच्चे वीर पुरुषों में क्या गुण होते हैं ? [4]

नया-रास्ता

Question 7

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

“परन्तु यह क्रूर योजना पिताजी की समझ में नहीं आई । वह किसी लड़की वाले का दिल नहीं दुखाना चाहते थे । परन्तु जब सबकी यही इच्छा थी, तो उन्हें पत्र लिखना ही पड़ा ।”

- (i) 'क्रूर योजना' किसकी थी और क्या थी ? [4]
- (ii) पिताजी ने पत्र लिखते समय किससे क्या कहा ? [4]
- (iii) पत्र लिखने के बाद उन्हें कैसा अनुभव हो रहा था और क्यों ? [4]
- (iv) इस उपन्यास के शीर्षक की सार्थकता स्पष्ट कीजिए । [4]

Question 8

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

“हाँ, रात तो हो चली है, पर मेरा यहाँ अब एक मिनट के लिए भी रुकना सम्भव न हो सकेगा ।”

- (i) वक्ता एक मिनट के लिए भी क्यों नहीं रुकना चाहती है ? [4]
- (ii) इससे पूर्व वक्ता को समझाते हुए किसने क्या सुझाव दिया था ? [4]
- (iii) वक्ता की यह रात किस प्रकार कटी ? उसके मन में क्या विचार उमड़ रहे थे ? [4]
- (iv) प्रस्तुत उपन्यास का उद्देश्य एक परिच्छेद में स्पष्ट कीजिए । [4]

Question 9

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

आशा के जाने के बाद घर में सन्नाटा छा गया । सबके बोलने की आवाज़ व छोटे बच्चे के रोने के स्वर से सारा कमरा गूँजता था ।

- (i) यह कमरा किसका था ? उसमें कब कौन-कौन आए ? [4]
- (ii) मीनू और आशा का मिलन कितने समय बाद हुआ था ? आशा में अब क्या परिवर्तन आ गया था ? [4]
- (iii) मीनू ने आशा के किस प्रश्न को क्या कहकर क्यों टाल दिया था ? [4]
- (iv) “एक असफलता सफलता का दूसरा मार्ग खोल देती है ।” - उपन्यास के आधार पर अपने विचार एक अनुच्छेद में लिखिए । [4]

एकांकी सञ्चय

Question 10

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

जिनकी खाल मोटी होती है उनके लिए किसी भी बात में अपयश, कलंक या अपमान का कोई कारण नहीं होता । किन्तु जो आन को प्राणों से बढ़कर समझते हैं, वे पराजय का मुख देखकर भी जीवित रहें यह कैसी उपहासजनक बात है । सुना अभयसिंह जी, मैं अपने मस्तक से इस कलंक के टीके को धो डालना चाहता हूँ ।

- (i) उपर्युक्त कथन का वक्ता कौन है ? उसका परिचय दीजिए और बताइए कि देश को लेकर उसने क्या योजना बनाई थी ? [4]
- (ii) अभय सिंह कौन है ? वक्ता उसे कहाँ भेजता है और क्यों ? वह वहाँ से क्या उत्तर लेकर आता है ? [4]
- (iii) वक्ता अपने को इतना अपमानित क्यों महसूस कर रहा है ? समझाते हुए लिखिए । [4]
- (iv) अपने मस्तक से इस कलंक के टीके को धो डालने के लिए वह क्या प्रतिज्ञा करता है ? उसकी यह प्रतिज्ञा कैसे पूरी होती है ? [4]

Question 11

Read the

भाई साहब
से निकल
कि इस ज

- (i) उपर्यु
सुन
- (ii) उन
- (iii) वक्ता
- (iv) इस

Question 12

Read the

यही तो मु
लिए इतन
पक्ष का

- (i) उप
- (ii) उप
- (iii) वक्ता
- (iv) “व

Question 13

Read the

यही तो मु

लिए इतन

पक्ष का

(i) उप

(ii) उप

(iii) वक्ता

(iv) “व

Question 11

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

भाई साहब मुझे क्षमा करना । पर आप लोगों की बातचीत का कुछ हिस्सा मैंने सुन लिया है । मैं आँगन से निकल रहा था । आप लोगों से अपना जिक्र सुन ठिठक गया और फिर खड़ा ही रह गया । यह सोचकर कि इस जगह मेरा भी कुछ कहना जरूरी है, यहाँ आ गया हूँ ।”

- (i) उपर्युक्त कथन किसका है ? उसका परिचय दीजिए और बताइए कि उसने किन लोगों की बातचीत सुन ली है ? [4]
- (ii) उन लोगों में किस बात को लेकर बातचीत हो रही थी ? बातचीत के मुख्य पहलुओं पर प्रकाश डालिए । [4]
- (iii) वक्ता 'भाई साहब' शब्द का प्रयोग किसके लिए करता है ? वह (भाई साहब) अपने जीवन को किस रूप में देखता है ? [4]
- (iv) इस कथन के बाद वक्ता 'उन लोगों' से क्या कहता है ? अपने शब्दों में उत्तर दीजिए । [4]

Question 12

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

यही तो मुझे दुःख है कि तथ्य तक पहुँचने की किसी ने भी चेष्टा नहीं की । एक अन्याय की प्रतिष्ठा के लिए इतना ध्वंस किया और सब अंधों की भाँति उसे स्वीकार करते गए । सबने मेरा हठ ही देखा, मेरे पक्ष का न्याय किसी ने न देखा । और जानते हो उसका क्या कारण था ?

- (i) उपर्युक्त कथन किसका है ? उसका संक्षिप्त परिचय देते हुए बताइए कि वह इस समय कहाँ है और किस स्थिति में है ? [4]
- (ii) उपर्युक्त कथन का श्रोता कौन है ? उसका परिचय दीजिए और बताइए कि उसका यहाँ आने का क्या उद्देश्य था ? [4]
- (iii) वक्ता अपने किस पक्ष को न्यायसंगत बताता है और क्यों ? सतर्क उत्तर दीजिए । [4]
- (iv) “कोई भी उसके इस पक्ष को मानने के लिए तैयार नहीं था” वक्ता इसका क्या कारण बताता है ? उत्तर अपने शब्दों में दीजिए । [4]

काव्य-कल्प

Question 13

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

लास्य भी हमने किए हैं और तांडव भी किए हैं
वंश मीरा और शिव के, विष पिया है और जिए हैं
दूध माँ का, या कि चंदन या कि केसर जो समझ लो
यह हमारे देश की रज है, कि हम इसके लिए हैं ।

- (i) उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कविता से उद्धृत हैं ? इस कविता की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालिए । [4]
- (ii) “लास्य भी हमने किए हैं और तांडव भी किए हैं ।” का भावार्थ समझाइए । [4]
- (iii) मीरा कौन थी ? उसे विष क्यों पीना पड़ा था ? उस विष का उस पर क्या प्रभाव पड़ा ? समझाते हुए लिखिए । [4]
- (iv) “शिव और विष” से सम्बन्धित पौराणिक कथा पर प्रकाश डालिए । [4]

Question 14

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

“चिनगारी बन गई लहू की बूँद गिरी जो पग से ;
चमक रहे पीछे मुड़ देखो, चरण-चिह्न जगमग-से ।
शुरू हुई आराध्य-भूमि यह क्लांति नहीं रे राही ;
और नहीं तो पाँव लगे हैं क्यों पड़ने डगमग-से ?
बाकी होश तभी तक, जब तक जलता तूर नहीं है ;
थककर बैठ गये क्या भाई ! मंजिल दूर नहीं है ।”

- (i) उपर्युक्त पंक्तियाँ किस कवि द्वारा लिखी गई हैं ? इस कविता के उद्देश्य पर प्रकाश डालिए । [4]
(ii) “चिनगारी बन गई लहू जगमग से ।” इस पंक्ति का भावार्थ लिखिए । [4]
(iii) “जलता तूर नहीं” से कवि का क्या तात्पर्य है ? इस वाक्यांश से कवि किस घटना की ओर इशारा करता है ? [4]
(iv) प्रस्तुत कविता द्वारा कवि किस मनोवैज्ञानिक तथ्य की ओर इशारा करना चाहता है ? वह किस मानवीय सच्चाई को स्वीकारता है और साथ ही क्या सबक सिखाने की कोशिश करता है ? समझाते हुए लिखिये । [4]

Question 15

Read the extract given below and answer in **Hindi** the questions (i) to (iv) that follow :—

हम भिखमंगों की दुनियाँ में
स्वच्छन्द लुटाकर प्यार चले,
हम एक निशानी-सी उर पर,
ले असफलता का भार चले ।
हम मान-रहित, अपमान रहित
जी भरकर खुलकर खेल चले,
हम हँसते-हँसते आज यहाँ
प्राणों की बाजी हार चले ।

- (i) इस कविता के केन्द्रीय भाव पर प्रकाश डालिए । [4]
(ii) “भिखमंगों की दुनियाँ” से कवि का क्या तात्पर्य है ? वह उन लोगों के लिए क्या देकर जा रहा है ? [4]
(iii) कवि की किस बात से यह सिद्ध होता है कि यह जीवन उसके लिए खेल है और वह इसे एक खिलाड़ी की भावना से खेलता रहा है । समझाते हुए लिखिए । [4]
(iv) “हम एक निशानी असफलता का भार चले ।” से कवि का क्या तात्पर्य है ? वह ऐसा क्यों कहता है ? [4]



THEEXAMPAPERS.COM

BY CHIRAG AGARWAL